

पहले मुख्य समाचार।

- सम्पूर्ण राष्ट्र में कल धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के लाल किले पर फहराया राष्ट्रीय ध्वज। पहली बार हुआ वंदेमातरम् का गायन।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में फहराया तिरंगा। कहा— आजादी का मतलब है पिछड़ापन और असमानता से मुक्ति।
- उल्लेखनीय सेवा के लिये प्रदेश के 81 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को मिलेगा राष्ट्रपति का सेवा पदक। यूपी एसटीएफ में तैनात रहे निरीक्षक सुनील कुमार को मरणोपरांत मिलेगा कीर्तिचक्र।
- प्रदेश के अधिकांश जिलों में हो रही छिटपुट वर्षा। उमस से मिली राहत। अगले एक सप्ताह तक गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की सम्भावना।

देश भर में कल 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्र को संबोधित किया। इस अवसर पर पहली बार राष्ट्रगीत वंदे मातरम का गायन हुआ। श्री मोदी ने इस वर्ष के आयोजन में, 2047 तक विकसित भारत बनाने में युवाशक्ति की भूमिका पर बल दिया।

भारत ने भी एक बहुत बड़ा सपना देखा है और वो सपना है, जब आजादी के सौ साल होंगे 2047 में हम विकसित भारत बनाके रहेंगे। एक सौ 40 करोड़ देशवासियों के पुरुषार्थ से इस लक्ष्य को हमें हासिल करना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत कई अभूतपूर्व संकटों से बाहर निकलने में सफल रहा है। उन्होंने कहा कि इन संकटों के दौरान टीके, ईंधन, गैस, डीजल और उर्वरक की कमी को लेकर काफी अफवाहें फैलाई गई थीं। श्री मोदी ने कहा कि सुनियोजित नीतियों, तैयारियों और समय रहते उठाए गए कदमों के कारण देश ने इन चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने कहा कि सरकार 2047 तक सौ गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने की दिशा में बढ़ रहा है।

एनर्जी सिक्योरिटी जो हमारे समय की मांग है और इसलिए हमने पहले से ही, इस दिशा में एक के बाद एक मजबूत कदम उठाए हैं। एनर्जी सिक्योरिटी का एक बड़ा माध्यम है परमाणु ऊर्जा, न्यूक्लियर एनर्जी, हमने पार्लियामेंट में शांति एक्ट पास कर करके, नए लक्ष्य तक जाने का रास्ता तय कर दिया है। 2047 तक हम 100 गीगावाट न्यूक्लियर पावर का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने संसद और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के लिए सभी राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील की।

जल्द से जल्द हमारी माताओं और बहनों को 33 प्रतिशत विधानसभा और लोकसभा में उनको प्रतिनिधित्व मिले। ये भारत की नीति गणतंत्र के अंदर अपना योगदान दे, समय की मांग है और मैं सभी राजनीतिक दलों से फिर से आग्रह करता हूं आइए महिला आरक्षण लागू करके महिला सम्मान में आप भी जुड़िए, लेकिन मेरी माताओं-बहनों को हक दीजिए।

प्रदेश के सभी जिलों में स्वतंत्रता दिवस पर कल देर शाम तक विविध आयोजनों का सिलसिला चलता रहा। मुख्य समारोह कल सुबह लखनऊ में विधानभवन के समक्ष आयोजित किया गया। जहां, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और प्रदेशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने देश की रक्षा और सम्मान के लिये अदम्य साहस दिखाने वाले वीर सैनिकों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं है इसका अर्थ अराजकता, पिछड़ेपन, गरीबी, निरक्षरता और असमानता से पूर्ण मुक्ति भी है, जिसके कारण देश लगातार कमजोर हुआ है।

आजादी का मतलब केवल राजनीतिक आजादी नहीं है। आजादी का मतलब उस अराजकता से, उस पिछड़ेपन से, उस गरीबी से, उस अशिक्षा से, उस असमानता से भी सर्वथा मुक्ति है जिसके कारण यह देश लगातार कमजोर होता गया। यह दिवस केवल हमें एक समारोह तक सीमित रखने का अवसर नहीं दे रहा है। यह हमें संपूर्ण आजादी के उन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में किए जाने वाले उन प्रयासों में एक नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों के निर्वहन करने के लिए भी एक नई प्रेरणा प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर युवाओं को यूथ पॉलिसी का तोहफा दिया। उन्होंने यूथ पॉलिसी की घोषणा करते हुए कहा कि इससे भविष्य में युवाओं के कौशल, नवाचार और रोजगार को मजबूती मिलेगी।

यह हमारा संकल्प है, और युवा के हाथ में स्किल, इनोवेशन और एम्प्लॉयमेंट हो। इसी संकल्प को और अधिक गति प्रदान करते हुए, उत्तर प्रदेश सरकार एक नई यूथ पॉलिसी बहुत शीघ्र लेकर के आ रही है। यूथ पॉलिसी के माध्यम से प्रदेश के युवा को एक इंटीग्रेटेड अप्रोच के साथ उनके स्किल, इनोवेशन, एम्प्लॉयमेंट को और अधिक मजबूती प्रदान करने में हमें सफलता प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश पुलिस के एसटीएफ अधिकारी सुनील कुमार को भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया जायेगा।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास पर ध्वजारोहण किया। उन्होंने प्रदेश की जनता को स्वतंत्रता दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आजादी को बनाये रखने के लिये किसी एक समूह, जाति, सम्प्रदाय को ही नहीं, बल्कि सामूहिक रूप से देश के प्रत्येक नागरिक को इसके लिये प्रयास करना चाहिये।

मुख्यमंत्री ने विधान भवन के समक्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विभिन्न सांस्कृतिक दलों के कलाकारों को अपने आवास पर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न राज्यों एवं प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए कलाकारों से संवाद भी किया।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ स्थित जन भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सलामी ली। कार्यक्रम में जन भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा आदर्श माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का गायन किया।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जबकि अन्य मंत्रियों ने भी प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोहों में भाग लिया। हाल ही में आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली उत्तर प्रदेश पुलिस की उप निरीक्षक अस्मिता डे को लखनऊ स्थित पुलिस मुख्यालय में राज्य के डीजीपी द्वारा सम्मानित किया गया।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के 6 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक और 75 पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को राष्ट्रपति के सहायनीय सेवा पदक से सम्मानित करने की घोषणा की है। वहीं यूपी एसटीएफ में तैनात रहे निरीक्षक सुनील कुमार को मरणोपरांत कीर्ति चक्र प्रदान किया जायेगा। वह मेरठ में कुख्यात अनिल दुजाना से हुई मुठभेड़ में शहीद हुए थे।

राष्ट्रपति भवन स्थित अमृत उद्यान आज से 15 सितंबर तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। उद्यान के खुलने का समय सुबह 10 बजे और बन्द होने का समय शाम 6 बजे होगा, जबकि अंतिम प्रवेश शाम 5 बजे तक दिया जायेगा। रख-रखाव के लिये उद्यान प्रत्येक सोमवार को बन्द रहेगा।

अमृत उद्यान के इस संस्करण में देशज और स्थानीय ग्रीष्मकालीन पुष्प प्रमुख आकर्षण हैं। इस वर्ष उद्यान में सजावटी ग्रीष्मकालीन मौसमी पुष्पों के साथ देशज और स्थानीय प्रजातियों का विशाल संग्रह प्रदर्शित किया गया है। अमृत उद्यान में प्रवेश नि:शुल्क है और आगंतुक उद्यान में भ्रमण के लिए राष्ट्रपति भवन की आधिकारिक वेबसाइट से ऑनलाइन बुकिंग करा सकते हैं। सकलेन की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से करिश्मा राय।

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में कल से ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। अब रामलला की सेवा में लगे सभी अर्चक एक समान ड्रेस में नजर आएंगे। धार्मिक समिति के सदस्य राजकुमार दास ने बताया कि नए ड्रेस कोड के तहत सभी अर्चक पीत वस्त्र धारण करेंगे। यह वस्त्र बिना सिला हुआ रेशमी सिल्क का होगा। वहीं शरद ऋतु में मौसम के अनुसार गर्म कपड़ों की व्यवस्था की जाएगी।

हरियाली तीज का त्योहार कल प्रदेश भर में श्रद्धा-भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। पति की दीर्घायु और परिवार की सुख समृद्धि के लिये सुहागिन महिलाओं ने निर्जला व्रत रखा। हरियाली तीज पर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना की जाती है। वहीं अयोध्या में सावन झूला मेला की शुरुआत कल से हो गई है। यह मेला 28 अगस्त तक चलेगा।

प्रदेश के अधिकांश जिलों में बादल छाये हुए हैं और कई स्थानों पर बूदाबादी से लेकर हल्की वर्षा हो रही है। वर्षा के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की सम्भावना है। कुछ स्थानों पर वज्रपात की भी आशंका है।
